

## इंटीग्रेटेड सोलर मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट

### चर्चा में क्यों?

8 मार्च 2025 को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने गौतम बुद्ध नगर (नोएडा) में अवाडा समूह की 5 गीगावाट (GW) एकीकृत सौर वनिरिमाण इकाई का शिलान्यास किया, साथ ही 1.5 गीगावाट सौर मॉड्यूल वनिरिमाण इकाई का लोकार्पण किया।

- अवाडा ग्रुप एक प्रमुख भारतीय हरति ऊर्जा कंपनी है, जिसका मुख्यालय मुंबई में स्थित है, जो सौर, पवन, पंप हाइड्रो और हरति ईंधन के माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन में कार्यरत है।

### मुद्दे के बारे में:

- मुख्यमंत्री के अनुसार यह पहल न केवल अक्षय ऊर्जा में हमारे राज्य के योगदान को मजबूत करती है बल्कि रोजगार को भी बढ़ावा देती है और 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के हमारे दृष्टिकोण का समर्थन करती है।
- यह प्रयास वर्ष 2026-2027 तक उत्तर प्रदेश के सौर ऊर्जा उत्पादन को 22,000 मेगावाट तक पहुँचाने के लक्ष्य में योगदान देता है।
- मुख्यमंत्री ने इसे 2070 तक शुद्ध-शून्य कार्बन उत्सर्जन प्राप्त करने के दृष्टिकोण को साकार करने की दृष्टि में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

### नवीकरणीय ऊर्जा

- नवीकरणीय ऊर्जा प्राकृतिक, पुनःपूर्तियोग्य स्रोतों जैसे सौर, पवन, जल वदियुत, बायोमास, भू-तापीय और ज्वार से प्राप्त ऊर्जा है।
  - ये स्रोत सतत और पर्यावरण के अनुकूल हैं, जिससे जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम होती है।
- प्रकार:
  - कच्छ की खाड़ी और सुंदरवन जैसे तटीय क्षेत्र ज्वारीय ऊर्जा की संभावनाएँ प्रदान करते हैं।
  - सौर ऊर्जा: सौर पैनलों या सौर तापीय प्रणालियों का उपयोग करके सूर्य के विकिरण से प्राप्त की जाती है।
  - पवन ऊर्जा: पवन टरबाइनों द्वारा पवन की गतिज ऊर्जा को वदियुत में परिवर्तित करके उत्पन्न की जाती है।
  - जलवदियुत: प्रवाहित जल (नदियों, बाँधों, झरनों) की ऊर्जा का उपयोग करके उत्पादित।
  - बायोमास ऊर्जा: हीटिंग, वदियुत और जैव ईंधन के लिये पौधों के अवशेषों और पशु अपशिष्ट जैसे कार्बनिक पदार्थों से निर्मित।
  - भू-तापीय ऊर्जा: वदियुत उत्पादन और प्रत्यक्ष तापन के लिये पृथ्वी की आंतरिक ऊष्मा (गर्म पानी, भाप) से प्राप्त।
    - ज्वारीय एवं तरंग ऊर्जा: वदियुत उत्पन्न करने के लिये समुद्री जल की गति (गुरुत्वाकर्षण खिंचाव या सतही तरंगों) का उपयोग करती है।